



**HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN  
BENCH AT JAIPUR**



S.B. Criminal Miscellaneous (Petition) No. 2017/2026

Dhanraj Son Of Shri Gyarsilal, Aged About 50 Years, Resident Of  
Village Aktasa, Tehsil Talera, District Bundi (Rajasthan).

-----Petitioner

Versus

1. Balveer Singh S/o Late Shri Sohan Singh, Resident Of Talera, District Bundi (Rajasthan).
2. Jasveer Singh S/o Late Shri Bhag Singh, Resident Of Talera, District Bundi (Rajasthan).
3. Surendrapal Singh S/o Late Shri Bhag Singh, Resident Of Talera, District Bundi (Rajasthan).
4. Smt. Surjit Kaur W/o Late Shri Bhag Singh, Resident Of Talera, District Bundi (Rajasthan).
5. Jaspal Kaur D/o Late Shri Bhag Singh, Resident Of Talera, District Bundi (Rajasthan).
6. Station House Officer, Police Station Talera, District Bundi (Rajasthan).
7. Mahendra Singh S/o Bhag Singh, Aged About 50 Years, R/o Talera, District Bundi (Rajasthan).

-----Respondents

---

|                   |   |                                                                                         |
|-------------------|---|-----------------------------------------------------------------------------------------|
| For Petitioner(s) | : | Mr. Aman Pareek, Adv.                                                                   |
| For Respondent(s) | : | Mr. Manvendra Singh Shekhawat, PP<br>Mr. Sandeep Phatak, Adv.<br>Mr. Utkarsh Muna, Adv. |

---

**HON'BLE MR. JUSTICE UMA SHANKER VYAS**

**Judgment / Order**

**21/04/2026**

वर्तमान याचिका के माध्यम से विद्वान निगरानी न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश क्रम-2, बूंदी द्वारा निगरानी याचिका संख्या-107/2025 में पारित आदेश दिनांक 12.03.2026 को चुनौती दी गई है। विद्वान निगरानी



न्यायालय द्वारा उपलब्ध सामग्री के आधार पर अपना अभिमत देते हुए अंत में मामला प्रतिप्रेषित किया गया है।

कुछ देर बहस करने के उपरांत दोनों पक्षों की सहमति रही कि निगरानी न्यायालय का आदेश प्रतिप्रेषित किये जाने की सीमा तक अपास्त किया जावे।

उचित आधार होने से मामला प्रतिप्रेषित किये जाने की सीमा तक निगरानी न्यायालय का आदेश अपास्त किया जाता है तथा यह स्पष्ट किया जाता है कि निगरानी न्यायालय पूर्व में स्वयं के द्वारा दिये गये किसी भी अभिमत से प्रभावित हुए बिना उपलब्ध सामग्री के अनुसार व दोनों पक्षों को सुनवाई का अवसर देकर विधिनुसार आदेश पारित करे।

दोनों पक्ष दिनांक 04.05.2026 को निगरानी न्यायालय में उपस्थित रहें। इसी अनुसार यह याचिका निस्तारित की जाती है तथा स्थगन आवेदन भी उक्तानुसार निस्तारित किया जाता है।

(UMA SHANKER VYAS),J